समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

16 साल की उम्र मे संभाला दूध कारोबार, आज 2000 करोड़ की कंपनी खड़ी कर रहे है मिल्की मिस्ट के फाउंडर सतीश कुमार

Publisher

Published on 19 Sep 2025

भारत में कई ऐसे उद्यमियों की कहानियां हैं जो कम उम्र में ही असंभव को संभव कर दिखाते हैं। इन्हीं में से एक हैं **टी. सतीश कुमार**, जिन्होंने यह साबित किया कि किसी भी काम को शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं होती। मात्र **16 साल की उम्र** में स्कूल छोड़कर उन्होंने डूबते हुए पारिवारिक दूध कारोबार को संभाला और आज उनकी कंपनी **मिल्की मिस्ट (Milky Mist)** अरबों रुपये की हो चुकी है। अब उनकी कंपनी **IPO** लाने जा रही है, जिससे निवेशकों को भी हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

शुरुआती दौर : 16 साल का संघर्ष

सालों पहले जब परिवार का दूध का कारोबार घाटे में जा रहा था, उस समय टी. सतीश कुमार ने पढ़ाई छोड़ने का बड़ा निर्णय लिया। महज **16 साल की उम्र** में उन्होंने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। दूध का कारोबार उस समय बहुत सीमित था और आधुनिक संसाधनों की भारी कमी थी। उन्होंने तय किया कि इसे केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जाएगा। यही से शुरू हुआ "मिल्की मिस्ट" का सफर।

ब्रांड की स्थापना और विस्तार

सतीश कुमार ने शुरुआत में पारंपरिक तरीकों से दूध और उससे बने उत्पादों की बिक्री शुरू की। उन्होंने स्थानीय बाजार को समझा और उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार उत्पाद तैयार किए। धीरे-धीरे उन्होंने दही, पनीर, घी और अन्य **डेयरी प्रोडक्ट्स** को कंपनी की रेंज में शामिल किया। उनकी सोच थी कि हर उपभोक्ता को **शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पाद** उपलब्ध कराए जाएं।

आज "मिल्की मिस्ट" दक्षिण भारत का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का एक लोकप्रिय डेयरी ब्रांड बन चुका है।

आज का साम्राज्य

सतीश कुमार की कंपनी आज **2000 करोड़ रुपये से अधिक** के साम्राज्य में बदल चुकी है। **मिल्की मिस्ट** की फैक्ट्रियां आधुनिक तकनीक से लैस हैं। कंपनी के पास **कोल्ड चेन नेटवर्क** है, जिससे उत्पाद की ताजगी बरकरार रहती है। उत्पादों की रेंज इतनी व्यापक है कि इसमें **100 से ज्यादा डेयरी उत्पाद** शामिल हो चुके हैं।

IPO की तैयारी

अब सतीश कुमार की कंपनी अगले बड़े कदम के लिए तैयार है। "मिल्की मिस्ट" जल्द ही **स्टॉक मार्केट मे IPO** लाने जा रही है। इसका मतलब है कि अब आम निवेशक भी इस कंपनी में हिस्सा ले सकेंगे। IPO लाने के पीछे उद्देश्य है विस्तार योजनाओं के लिए पूंजी जुटाना और कंपनी को अगले स्तर पर ले जाना।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह IPO निवेशकों के लिए बेहद आकर्षक साबित हो सकता है क्योंकि मिल्की मिस्ट की ब्रांड वैल्यू और बाजार में पकड़ बेहद मजबूत है।

सफलता के पीछे की सोच

सतीश कुमार हमेशा कहते हैं कि सफलता का राज है –

1. **हौसला और दृढ़ संकल्प**
2. **कड़ी मेहनत और लगन**
3. **गुणवत्ता से समझौता नहीं**

उनका मानना है कि यदि आप उपभोक्ता को ईमानदारी और गुणवत्ता के साथ उत्पाद देंगे, तो ब्रांड अपने आप मजबूत होता जाएगा।

ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा

सतीश कुमार की यह कहानी सिर्फ एक व्यवसायिक सफलता की नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा की कहानी भी है।

- एक छोटे शहर से उठकर उन्होंने दिखाया कि कैसे कोई भी व्यवसाय वैश्विक पहचान बना सकता है।
- इस सफलता ने युवाओं को यह संदेश दिया है कि यदि आपके पास साहस है, तो **छोटी शुरुआत भी बड़ी उड़ान** में बदल सकती है।

भविष्य की योजना

मिल्की मिस्ट आने वाले वर्षों में अपने उत्पादों को **अंतरराष्ट्रीय बाजार** में भी ले जाने की योजना बना रही है। कंपनी **ऑर्गेनिक डेयरी प्रोडक्ट्स** पर भी काम कर रही है। डिजिटल और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाकर उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच बनाने की दिशा में प्रयास कर रही है।

टी. सतीश कुमार की सफलता कहानी हमें यह सिखाती है कि **उम्र सफलता की सीमा नहीं होती।** 16 साल का किशोर जब हिम्मत जुटाकर परिवार का कारोबार संभाल सकता है और उसे 2000 करोड़ के साम्राज्य में बदल सकता है, तो कोई भी युवा अपनी राह बना सकता है। आज "मिल्की मिस्ट" न केवल एक ब्रांड है, बल्कि भारत के उद्यमशीलता की पहचान भी है।

आगामी IPO के साथ यह कंपनी अब एक **नई ऊंचाई** की ओर बढ़ रही है और देश-दुनिया में भारतीय डेयरी उद्योग का परचम लहराने जा रही है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.